





# 12 अगस्त 2026 क्यों है खास? 11 अगस्त की रात से 13 अगस्त की भोर तक मिलेगा खास खगोलीय नजारों का सिलसिला: जानिए सही समय और तरीका

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि इस बार यह अगस्त 2026 खगोल प्रेमियों को बहुत बड़ी एवं कुछ विशेष सौगात लेकर आई है। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि वैसे तो सम्पूर्ण अगस्त 2026 का महीना की विशेष होने वाला है लेकिन 12 अगस्त 2026 खगोल-विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण दिन है। छह ग्रहों का दृश्य संरेखण 11 अगस्त की देर रात से 12 अगस्त की भोर में दिखाई देगा, जबकि 12 अगस्त की रात से 13 अगस्त की भोर तक पसिंड उल्का-वर्षा अपने अधिकतम सक्रिय चरण में होगी, और 12 अगस्त 2026 की इसी तारीख को वैश्विक स्तर पर पूर्ण सूर्य ग्रहण भी होगा, हालांकि वह सूर्य ग्रहण भारत से दिखाई नहीं देगा।

**क्या है छह ग्रहों का पूर्व-सूर्योदय दृश्य संरेखण।**

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि 12 अगस्त 2026 की भोर में छह ग्रह, शनि, वरुण, अरुण, मंगल, बुध और बृहस्पति, क्रांतिकृत के आसपास आकाश में एक विस्तृत पट्टी में दिखाई देंगे। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि यह कोई भौतिक सीधी रेखा नहीं, बल्कि पृथ्वी से दिखाई देने वाला आकाशीय परिप्रेक्ष्य है। इनमें बृहस्पति, शनि और मंगल नमन आंखों से अपेक्षाकृत आसानी से देख सकते हैं, जबकि बुध ग्रह को क्षितिज के निकट होने के कारण देखा थोड़ा सा कठिन होगा, लेकिन प्रयास करने पर दिखाई दे सकता है जबकि अरुण और वरुण को अति विशेष विनोक्तुर या अच्छी दूरबीन से ही देखा पड़ेगा,

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि इस खगोलीय संरेखण का भारत में सर्वोत्तम अवलोकन स्थानीय सूर्योदय से लगभग 30 से 60 मिनट पहले, खुले और कम प्रकाश-प्रदूषित स्थान से अच्छा हो सकता है।

**क्या होती है ग्रहों की परेड या संरेखण।**

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि ग्रहों की परेड या संरेखण वह खगोलीय स्थिति है जब सौरमंडल के कई ग्रह पृथ्वी से देखने पर आकाश के एक ही हिस्से में एक सीधी रेखा या चाप में नजर आते हैं। अंतरिक्ष में ये ग्रह वास्तव में एक सीध में नहीं होते, बल्कि अपनी अलग कक्षाओं में घूमते हुए पृथ्वी के दृष्टिकोण से एक कतार में दिखते हैं। या कुछ यूँ कहें कि प्लैनेट परेड खगोल विज्ञान का औपचारिक तकनीकी शब्द नहीं है बल्कि यह लोकप्रिय नाम उस स्थिति के लिए प्रयोग किया जाता है जब पृथ्वी से देखने पर कई ग्रह क्रांतिकृत पट्टी के आसपास एक साथ दिखाई देते हैं। ग्रह अंतरिक्ष में भौतिक रूप से एक सीधी रेखा नहीं बनाते, लेकिन कतार जैसा दृश्य पृथ्वी के दृष्टिकोण और सौरमंडल के लगभग समतलीय कक्षीय विन्यास के कारण दिखाई देता है।

**ग्रहों की परेड के कितने प्रकार होते हैं।**

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि सामान्य बोलचाल की भाषा में ग्रहों की परेड या संरेखण चार प्रकार की होती हैं, जैसे कि-  
**1.मिनी संरेखण-** जब 3 ग्रह एक साथ दिखाई देते हैं तो इसे मिनी संरेखण कहा जाता है।

**2.छोटा संरेखण-** जब 4 ग्रह एक कतार में आते हैं तो इसको छोटा संरेखण कहा जाता है।

**3.बड़ा संरेखण-** जब 5 या 6 ग्रह एक साथ दिखते हैं तब इसे बड़ा संरेखण कहा जाता है।

और 12 अगस्त 2026 को यही बड़ा संरेखण घटित होने जा रहा है इसीलिए देखा न भूलें।

**4.महान संरेखण-** जब सौरमंडल के लगभग सभी मुख्य ग्रह (8 ग्रह) एक साथ एक ही दिशा में नजर आते हैं तब एक महान संरेखण घटित होता है जोकि एक बहुत ही बड़ी खगोलीय घटनाओं में से एक होती है एवं ऐसा संरेखण अत्यंत ही ज्यादा दुर्लभ संरेखण होता है। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि यह एक आभासी दृश्य होता है जिसे प्लैनेटरी अलाइनमेंट भी कहा जाता है और यह अंतरिक्ष में कोई भौतिक रेखा नहीं बनाता, बल्कि यह पृथ्वी के दृष्टिकोण और परिप्रेक्ष्य का परिणाम होता है, इसके दौरान नमन आंखों से दिखाई देने वाले ग्रहों की दृश्यता की बात करें तो पाते हैं कि हमारे सौर मण्डल के पांच ग्रहों को साधारण आंखों से देखा जा सकता है जैसे कि उनमें से कुछ इस प्रकार हैं जैसे कि बृहस्पति, शुक्र, बुध, मंगल और शनि ग्रह जैसे चमकीले ग्रह बिना किसी दूरबीन के केवल थोड़ा सा नियमित प्रयास करने भर से आसानी से देखे एवं पहचाने जा सकते हैं, जबकि यूरेनस और नेपच्यून के लिए किसी विशेष अच्छी दूरबीन की जरूरत होती ही है।

**कब और कितने बजे से दिखाई देना शुरू होगा इस परेड/संरेखण में कौन कौन सा ग्रह।**



खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि 12 अगस्त की भोर में बुध ग्रह लगभग 04:28 (अट) बजे पूर्वी क्षितिज पर ऊपर आना शुरू कर देगा और सूर्योदय तक दिखाई देगा, इस दौरान बुध ग्रह कर्क तारामंडल क्षेत्र में स्थित होगा एवं इसका मैग्नीट्यूड लगभग माइनस 0.89 होगा जो थोड़ी मेहनत करने एवं खोजने पर इसको साधारण आंखों से देखने योग्य बनायेगा और 12 अगस्त की भोर में ही बृहस्पति ग्रह भी लगभग 4:50 (अट) बजे पूर्वी क्षितिज पर ऊपर आना शुरू कर देगा एवं सूर्योदय तक दिखाई देगा इस दौरान बृहस्पति ग्रह भी कर्क तारामंडल क्षेत्र में ही स्थित होगा एवं इसका दृश्य मैग्नीट्यूड लगभग माइनस 1.63 होगा, जो इसे साधारण आंखों से आसानी से देखने योग्य बनायेगा। और अब बात करें शनि ग्रह की तो पाते हैं कि शनि ग्रह 11 अगस्त की रात्रि में लगभग 9:30 बजे पूर्वी क्षितिज पर मीन तारामंडल क्षेत्र के साथ ही ऊपर आना शुरू करेगा और पूरी रात भर अपने दृश्य मैग्नीट्यूड लगभग प्लस 0.58 की चमक साथ लिए हुए 12 अगस्त 2026 की

भोर/सूर्योदय तक दिखाई देगा, इसे भी साधारण आंखों से ही देखा जा सकता है, अब अगर हम बात करें हमारे सौर मण्डल के लाल ग्रह की तो हम पाते हैं कि मंगल ग्रह 11 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि के बाद लगभग 1:50 पर पूर्वी क्षितिज पर ऊपर आना शुरू करेगा इस दौरान मंगल ग्रह,वृषभ तारामण्डल क्षेत्र में स्थित होगा और इसका मैग्नीट्यूड लगभग प्लस 1.29 के करीब होगा जो इसे साधारण आंखों से देखने योग्य बनायेगा और 12 अगस्त की भोर सुबह तक दिखाई देगा,अगर अब हम बात करें हमारे सौर मण्डल के सातवें ग्रह अरुण ग्रह की तो पाते हैं कि 11 अगस्त की रात्रि में लगभग 12 बजकर 15 मिनट (अट) बजे यह पूर्वी क्षितिज पर ऊपर आना शुरू करेगा और इस दौरान यह वृषभ तारामण्डल क्षेत्र में स्थित होगा और इसका मैग्नीट्यूड लगभग प्लस 5.74 के करीब होगा जो इसको किसी साधारण विनोक्तुर एवं दूरबीन से भी देखा मुश्किल बनायेगा इसीलिए इसको देखने के लिए आपको किसी विशेष विनोक्तुर एवं अच्छी दूरबीन/टेलीस्कोप की आवश्यकता

होगी ही क्योंकि यह साधारण आंखों से दिखाई नहीं देता है। और अब हम बात करें हमारे सौर मण्डल के सबसे ज्यादा दूर के ग्रह वरुण ग्रह की तो पाते हैं कि वरुण ग्रह 11 अगस्त 2026 की रात्रि में लगभग 9:00 (बट) करछ से पूर्वी क्षितिज पर ऊपर आना शुरू करेगा और पूरी रात भर आकाश में रहते हुए 12 अगस्त 2026 की भोर तक बना रहेगा एवं इस दौरान यह मीन तारामंडल क्षेत्र में स्थित होगा और इसका मैग्नीट्यूड लगभग प्लस 7.83 होगा, इसीलिए वरुण ग्रह को इतने अधिक मैग्नीट्यूड के कारण,साधारण आंखों से देखा हमेशा ही नामुमकिन ही नहीं बल्कि संभव है ही है। इसीलिए इसको देखने के लिए साफ मौसम एवं पूर्णतः प्रकाश प्रदूषण से दूर होते हुए आपको किसी विशेष अच्छी दूरबीन की आवश्यकता होगी। तभी वरुण ग्रह को देखा जा सकता है अन्यथा नहीं।

**आसानी से कैसे देखें यह ग्रहीय संरेखण।**

वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला (तारामण्डल) गोरखपुर,उत्तर प्रदेश, भारत के खगोलविद अमर पाल सिंह ने विशेष खगोलीय सलाह देते हुए बताया कि सबसे पहले पूर्वी क्षितिज को देखें, यहाँ पर बृहस्पति और बुध सूर्योदय के समय से कुछ पहले दिखाई देंगे और मंगल ग्रह को देखने के लिए और ऊपर देखें एवं शनि ग्रह को खोजने के लिए आकाश में क्रांतिकृत का अनुसरण करें क्योंकि इस दौरान यह सभी ग्रह उत्तरी गोलार्ध में यह दक्षिण-पश्चिम की ओर जाते हुए दिखाई देंगे, खगोलविद अमर पाल सिंह ने

विशेष जोर देते हुए कहा है कि सूर्यन और नेपच्यून को देखने के लिए किसी सटीक स्काई चार्ट या उच्च आकाश मानचित्र के साथ ही किसी अच्छी एवं विशेष टेलीस्कोप/ दूरबीन का उपयोग करें। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि ये ग्रह आकाश के एक बड़े हिस्से में दिखाई देंगे, इसलिए ऐसी जगह चुनें जहाँ से खुला और विस्तृत दृश्य दिखाई दे। पूर्वी क्षितिज सबसे महत्वपूर्ण है और सूर्योदय से ठीक पहले बुध और बृहस्पति बहुत नीचे दिखाई देंगे, और उन्हें देखने का समय भी सीमित ही होगा इसलिए साथ ही यह भी विशेष ध्यान देने योग्य बात है कि दृश्य संयोजन के सामने,प्रकाश प्रदूषण, आंधी, पानी, बरसात, तूफान, या अन्य आकस्मिक स्थितियों या इमारतों, पेड़, पहाड़ियों या धुंध आकाश के उस हिस्से को कहीं ढक न लें, अगर दृश्य संयोजन के दौरान ऐसा कुछ भी विघ्न उत्पन्न होता है तो इन ग्रहों को देखा मुश्किल हो सकता है,इसीलिए पूर्वी दिशा की ओर स्पष्ट दृश्य वाले खुले मैदान, समुद्र तट, पहाड़ियों की चोटियों, छतों और बालकनियों जैसी जगहों पर पूर्ण सावधानीपूर्वक रहते हुए अवलोकन के लिए अच्छी जगहें हो सकती हैं, साथ ही सूर्योदय की दिशा के निकट पेड़ों, इमारतों, पहाड़ियों या धुंध एवं प्रकाश प्रदूषण वाले स्थानों से पूर्णतः बचें। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि दूरबीन/टेलीस्कोप या जूम लेंस को बिना अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणित सोलर फिल्टर्स के कभी भी सूर्य के सीधे सामने न रखें, यह भी जानना आवश्यक है कि यदि 12 अगस्त 2026 की भोर में आसमान

में बादल छाए हों, तो उससे पहले या बाद की भोर सुबह में भी इन ग्रहों को देखने की कोशिश कर सकते हैं क्योंकि यह ग्रहीय अलाइनमेंट थोड़ा दूर एवं धीरे उधर होते हुए भी आप देख सकते हैं।

12 अगस्त 2026 को और क्या खास है

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि इसी तारीख के आसपास दो अन्य प्रमुख खगोलीय घटनाएँ भी घटित होगी। जो इस प्रकार हैं।

1.बर्ष भर की सबसे ज्यादा मशहूर एवं बहुप्रतीक्षित उल्का वर्षाओं में से प्रमुख जिसे पसिंड उल्का वृष्टि भी कहा जाता है,उसी पसिंड उल्का वर्षा का चरम समय भी 12-13 अगस्त 2026 की दरम्यानी रात में देखा सबसे अच्छा होगा।

2.12 अगस्त, 2026 को दिन में पूर्ण सूर्य ग्रहण भी घटित होने वाला है लेकिन अफसोस कि यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा, यह सूर्य ग्रहण केवल दुनिया के कुछ चुनिंदा क्षेत्रों से ही पूर्ण सूर्य ग्रहण एवं आंशिक सूर्य ग्रहण आदि के रूप में दिखाई देगा।

**नोट -**

किन्हीं भी विशेष खगोलीय जानकारीयों हेतु निःशुल्क 247 संपर्क सूत्र।

खगोलविद अमर पाल सिंह।

एस्ट्रोनामी एजुकेटेड वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला (तारामण्डल)

गोरखपुर, उत्तर प्रदेश,भारत।

मोबाइल नंबर

+917355546489

+917518016100

ईमेल

amarpal2250@gmail.com

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**ROBAB KHAN**  
(Advocate Supreme Court Of India)  
Social Activist, Philanthropist  
Founder: People Foundation

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**RAJIV RIYAZ PRATAPGARHI**  
Renowned Shayar  
Social Activist, Businessman  
& Philanthropist

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**KARTIK SHARMA**  
Renowned Shayar

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**DR INDU GUPTA**  
Director (ITD)  
(YMCA New Delhi)  
Renowned Poetess, Writer,  
Academician.

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**UMAR IZHAR**  
Renowned Poet

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**KAVI SAMMELAN EVM MUSHAIRA**  
4 Majestic Shayars (Poets) from India  
In the Queen of Hills, Shimla.

**Guests:**  
RAJEEV RIYAZ, DR INDU GUPTA, GULSHAN MEHRA, UMAR IZHAR

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guest Of Honour**  
**SHARIQA MALIK**  
Founder Life 2.0

**Renowned Poetess**  
Event Curator, PR Professional

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Featuring**  
**राष्ट्रीय ओपन कविवरि**  
**अनु मिश्रा**  
(Varanasi)

कविता की शक्ति, कविता की शक्ति, ओपन और सौंदर्य की अद्वितीय शक्ति। (कविता, कविता और कविता) कविता की शक्ति, कविता की शक्ति, ओपन और सौंदर्य की अद्वितीय शक्ति। (कविता, कविता और कविता)

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

**Poetic Atma**  
Transforming India Through Poetry

**Geninspire Foundation**  
Let's Inspire India

**Let's Celebrate India**  
Himachal Pradesh

**PATIF & Geninspire Foundation Presents**  
In Association with  
Bhasa eva Sanskriti Vihag, Himachal Pradesh

**Jashn-E-RIGU**  
Ek Shaam Hindustan ke Naam  
Let's Celebrate

**Guests & Mushaira (The Chaperone)**  
**SHRI SR HARNOT**  
Internationally Acclaimed Writer  
(Recipient of Countless Awards)

→ Date: →  
14th Of August 2026  
Ⓢ 2:00 PM Onwards

**Venue**  
GAIETY HERITAGE AND CULTURAL COMPLEX,  
**SHIMLA**  
(Himachal Pradesh)

→ A Celebration of Poetry, Literature, Culture & Unity | B.B. Bhasa, Strength Bhasa

## 8 वर्षीय बाल कलाकार मास्टर कर्तव्य वैभवकुमार राणा की ऐतिहासिक उपलब्धि

भारतीय रंगमंच, कला और संस्कृति को समर्पित 55 जीवन्त मोनो एक्टिंग (भाण) प्रस्तुतियों के साथ India Book of Records के आधिकारिक रिकॉर्ड प्रयास में 8 वर्षीय बाल कलाकार मास्टर कर्तव्य वैभवकुमार राणा की ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय रंगमंच, कला और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार के पवित्र उद्देश्य के साथ मात्र 8 वर्षीय बाल कलाकार मास्टर कर्तव्य वैभवकुमार राणा ने अत्यंत कम आयु में एक अनूठी और ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है। "MISSIONX 50+" के अंतर्गत उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं कामदेव के पात्रों पर आधारित कुल 55 जीवन्त मोनो एक्टिंग (भाण) प्रस्तुतियों को निर्दिष्ट 08 जुलाई 2026 से 17 जुलाई 2026 तक अर्थात मात्र 9 दिनों में सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। यह संपूर्ण अभियान India Book of Records के आधिकारिक रिकॉर्ड प्रयास "Maximum Live Mono Acting (Bha?)a Performances Promoting Indian Theatre, Art & Culture" के अंतर्गत आयोजित किया गया। मास्टर कर्तव्य ने मात्र 5 वर्ष की आयु में रंगमंच पर अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की थी। पिछले 3 वर्षों से वे निरंतर भारतीय रंगमंच, कला और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। अब तक उनकी जीवन्त प्रस्तुतियों का आनंद लगभग 35,000 से अधिक दर्शक प्रत्यक्ष रूप से ले चुके हैं। गुजरात के खेड़ा जिले की विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं, सहकारी संस्थाओं, ग्रामीण क्षेत्रों तथा सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्रस्तुत उनकी अभिनय प्रस्तुतियों एवं आमजन से अत्यंत उत्साहजनक प्रतिक्रिया और भरपूर सराहना प्राप्त हुई है। वर्तमान में मास्टर कर्तव्य श्री संताराम इंग्लिश मीडियम स्कूल, नडियाद में कक्षा 3 के विद्यार्थी हैं। अभिनय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ-साथ वे शिक्षा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करते हैं। शिक्षा और कला—दोनों क्षेत्रों के प्रति उनका समर्पण अन्य बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत है।



पिछले दो वर्षों के दौरान उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आयोजित कला महाकुंभ की मोनो एक्टिंग प्रतियोगिता में तालुका, जिला तथा ज़ोन स्तर पर विजेता बनकर अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने पिता के साथ अनेक नाट्य गतिविधियों में भाग लेकर बचपन से ही रंगमंच का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया है। मास्टर कर्तव्य वैभवकुमार राणा को अभिनय की प्रेरणा उनके पिता श्री वैभव जे. राणा से मिली है। श्री वैभव जे. राणा वर्तमान में रंगमंच (ऑडिशन) विषय में पीएच.डी. (दृ.ऊ.) का अध्ययन कर रहे हैं। वे भी अत्यंत कम आयु से रंगमंच से जुड़े हुए हैं तथा बचपन से ही नाटकों, फिल्मों और विभिन्न सुचनात्मक माध्यमों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। लेखक, निर्देशक, अभिनेता एवं शोधकर्ता के रूप में वे भारतीय रंगमंच के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत हैं। मास्टर कर्तव्य की माताश्री डॉ. हेतल वी. राणा इस संपूर्ण अभिनय में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे इन विशेष मोनो एक्टिंग (संस्कृत दशरूपक की 'भाण' शैली) प्रस्तुतियों के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन, मेकअप तथा बाल कलाकार की कलात्मक तैयारी में निरंतर योगदान दे रही हैं। मास्टर कर्तव्य के बड़े पिताश्री श्री प्रेम राणा रंगमंच के जाने-माने निर्देशक, अभिनेता एवं वॉइस एक्टर हैं। उन्होंने रंगमंच के



अतिरिक्त 30 से अधिक फिल्मों, टेलीविजन धारावाहिकों तथा वेब सीरीज में अभिनेता एवं मुख्य सहायक निर्देशक के रूप में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके दीर्घ अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ मास्टर कर्तव्य को बचपन से ही प्राप्त हो रहा है। मास्टर कर्तव्य ऐसे कला-समर्पित परिवार से जुड़े हैं, जहाँ परिवार का प्रत्येक सदस्य भारतीय रंगमंच, कला एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। पिता श्री वैभव जे. राणा, माताश्री डॉ. हेतल वी. राणा तथा बड़े पिताश्री श्री प्रेम राणा के संस्कार, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन के कारण कर्तव्य अत्यंत कम आयु में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं। "MISSIONX 50+" के अंतर्गत आयोजित सभी प्रस्तुतियों का उद्देश्य केवल एक रिकॉर्ड स्थापित करना नहीं है, बल्कि भारतीय रंगमंच की प्राचीन "भाण" परंपरा को जीवन्त बनाए रखना, बच्चों एवं युवाओं में अभिनय के प्रति रुचि विकसित करना तथा भारतीय कला और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। मास्टर कर्तव्य के बड़े पिताश्री श्री प्रेम राणा रंगमंच के जाने-माने निर्देशक, अभिनेता एवं वॉइस एक्टर हैं। उन्होंने रंगमंच के

International Book of Records के समक्ष आधिकारिक मूल्यांकन हेतु तैयार किए गए हैं। इस उपलब्धि से संबंधित दस्तावेज भविष्य में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार की कला एवं संस्कृति (अभिनय) श्रेणी के लिए आवेदन करते समय भी सहायक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किए जा सकेंगे। इन विशेष मोनो एक्टिंग (भाण) प्रस्तुतियों का लेखन, निर्देशन एवं संकलन श्री वैभव जे. राणा द्वारा किया गया है। कॉस्ट्यूम डिजाइन एवं मेकअप का कार्य डॉ. हेतल वी. राणा ने किया है, जबकि संपूर्ण अभियान के Concept & Project Director के रूप में श्री प्रेम राणा मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

YASHASVI FOUNDATION द्वारा प्रस्तुत "MISSIONX 50+" केवल एक रिकॉर्ड अभियान नहीं, बल्कि भारतीय रंगमंच, कला और संस्कृति के पुनर्जागरण के उद्देश्य से संचालित एक प्रेरणादायी सांस्कृतिक अभियान है। इसका उद्देश्य देश के बच्चों में भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव की भावना विकसित करना, बाल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना तथा भारत की समृद्ध रंगमंचीय परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। मात्र 8 वर्ष की आयु में मास्टर कर्तव्य वैभवकुमार राणा ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन, निरंतर परिश्रम और परिवार के मार्गदर्शन के बल पर यह सिद्ध कर दिया है कि सफलता आसु की नहीं, बल्कि समर्पण, संस्कार और सतत प्रयास की पहचान होती है। मास्टर कर्तव्य की यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि गुजरात और संपूर्ण भारत की रंगमंचीय, कलात्मक एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए गौरव का विषय है। इतनी कम आयु में उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि उचित मार्गदर्शन, सतत परिश्रम और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण के साथ बाल प्रतिभाएँ भी राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच सकती हैं। "MISSIONX 50+" के माध्यम से भारतीय रंगमंच की प्राचीन "भाण" परंपरा को जीवन्त बनाए रखने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक सशक्त स्रोत सिद्ध होगा।



# हरियाला ढोल बजाता सावन आया .....

## सात दशकों से प्रेम, वियोग और उमंग का मौसम बन कर बरसता रहा है सावन

हिंदी सिनेमा और सावन का रिश्ता बेहद आत्मीय और भावुक रहा है। वर्षा ऋतु, खासकर सावन का महीना, केवल मौसम नहीं रहा—यह प्रेमियों के दिलों की आवाज, विरह की पीड़ा और मिलन की मादक कल्पना बनकर फिल्मी गीतों में उतरता रहा है। पिछले सात दशकों में हिंदी फिल्मों में सावन और बरसात पर आधारित जो गीत रचे गए, उन्होंने सांस्कृतिक चेतना में अमिट स्थान बना लिया।

### 1950-60 का दशक : रोमांस और भावप्रवणता की पहली फुहार

1955 में आई श्री 420 का अमर गीत "प्यार हुआ इकरार हुआ" आज भी प्रेम गीतों की मिसाल है। इसी दौर में परख का "ओ सजना बरखा बहार आई" कोमलता, प्रेम और प्रकृति का अद्भुत संगम है। दो बीघा जमीन का "हरियाला सावन ढोल बजाता आया" किसानों की आशा और उल्लास को वर्षा के माध्यम से दर्शाता है, वहीं गाइड का "मेघ दे पानी दे" मानसून की प्रतीक्षा को लोकगान का रूप देता है।

### 1970-80 का दशक : मिलन की उमंग और वियोग की कसक

इस दौर के गीतों में सावन के साथ प्रेम और विरह की मधुर पीड़ा भी छलकती है। फिल्म रोटी कपड़ा और मकान का "हाय हाय ये

मजबूरी" बारिश में जीनत अमान की मादक अदाएं आज भी यादगार हैं। फिल्म हमजोली का "हाय रे हाय नौद नहीं आए" या फिल्म अनजाना का "रिमझिम के गीत सावन गाए" युवाओं के हृदय की बेचैनी को स्वर देते हैं। किशोर कुमार की आवाज में "भीगी-भीगी रातों में आ जा गोरी" आज भी प्रेम का प्रतीक बन चुका है। इसके अलावा फिल्म मंजिल का किशोर कुमार और लता मंगेशकर की आवाज में अलग अलग फिल्माया गीत - रिमझिम गिरे सावन, सुलग सुलग जाए मन आज भी युगनुनाने को मजबूर करता है। अमिताभ बच्चन पर फिल्माया लता जी और किशोर कुमार की आवाज में फिल्म फरार का गीत - " मैं प्यासा तुम सावन " भी इसी श्रृंखला में उल्लेखनीय है। सुरेश वाडेकर और लता मंगेशकर की सुमधुर आवाज में फिल्म प्यासा सावन का गीत - " मेघा रे मेघा रे मत परदेश जा रे " सावन और बारिश की मस्ती का भरपूर अहसास कराती है। इसके अतिरिक्त एक और बारिश की मस्ती से भरे इस गीत का जिक्र करना चाहूंगा जिसमें एक प्रेमी बरखा रानी से जमकर बरसने का आवाहन कर रहा है ताकि उसका दिलबर देर तक उसके पास रुक सके। यह गीत है - " बरखा रानी जरा जमके बरसों मेरा

दिलबर जा न पाये झुमकर बरसों "। यह गीत फिल्म सबक से मुकेश की आवाज में है तथा यह गीत शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा पर फिल्माया गया है।

### बरसात में झूलों की छवि और स्त्रियों की प्रतीक्षा

सावन भारतीय स्त्री मन के लिए प्रतीक्षा और प्रेम का समय होता है। फिल्मों में यह प्रतीक्षा झूलों, मेलों और मेघों के माध्यम से अभिव्यक्त हुई है। आया सावन झूम के का "बदरा छाप कि झूले पड़ गए" हो या मेरा गांव मेरा देश का "कुछ कहता है ये सावन", हर गीत सावन में प्रेमिका की आस और नायक की पुकार को शब्द देता है। इसके अलावा फिल्म जुमाना का गीत लता जी की आवाज में " सावन के झूले पड़े तुम चले आओ " सावन के झूलों का अहसास कराती है। इसी सावन के झूलों की श्रृंखला में एक और गीत उल्लेखनीय है जो कि हमारे ललितपुर के सुप्रसिद्ध कलाकार राजा बुंदेला की डेब्यू फिल्म बूझभूमि से है और महान संगीतकार और गीतकार रवीन्द्र जैन की रचना है। यह गीत है - " झूला तो पड़ गये ,अमवा की डार पे जी "। इस गीत ने उस समय सफलता के नये आयाम स्थापित किए थे। राजेश खन्ना पर फिल्माए वर्षा गीतों की एक

लंबी श्रृंखला है—फिल्म अजनबी का गीत " भीगी भीगी रातों में ऐसी बरसातों में ऐसा लगता है " फिल्म दो रास्ते का "छुप गए सारे नजारे", रोटी का "गोरे रंग पे इतना गुमां न कर", और प्रेम कहानी का शीर्षक गीत—ये सभी सावन के बहाने दिलों की गहराइयों में उतर जाते हैं।

**आज भी सावन के गीत हैं उतने ही जीवंत** तकनीक बदल गई, सिनेमाई शैली बदली, लेकिन सावन और बरसात के गीत आज भी उतनी ही गहराई से सुनने वालों को छूते हैं। नए दौर में भी " अबके सजन सावन में " और " कुछ कहता है ये सावन " या " तुझे गीतों में ढालूंगा सावन को आने दो " या "लगी आज सावन की फिर वो झड़ी रे " जैसे गीत भावों की रिमझिम से सराबोर हैं। हिंदी सिनेमा में सावन का मतलब सिर्फ बारिश नहीं, एक भावानुभूति है—प्रेम, प्रतीक्षा, मिलन और विरह की। इन गीतों ने न केवल फिल्मों को सजाया, बल्कि भारतीय मानस को भी संवारा। आज भी जब सावन की पहली बूंद गिरती है, तो कोई न कोई दिल में यही गूँज उठता है—

"सावन का महीना पवन करे शोर..."

लेखक - सिद्धार्थशर्मा

स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

## दोआबा साहित्य व कला अकादमी का आयोजन: 'रक्तबीज आदमी है का क, ख, ग' पुस्तक पर हुई विस्तृत चर्चा



दोआबा साहित्य व कला अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम रक्तबीज आदमी है का क,ख,ग पुस्तक पर केन्द्रित था जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ध्यातव्य है यह पुस्तक मोहन सपर कृत रक्त बीज आदमी है कि समीक्षात्मक पुस्तक पर बैठक हुई जिसका संपादन डॉ विनोद कुमार व डॉ आत्माराम बारूपाल ने किया

है। और इसका प्रकाशन आस्था प्रकाशन गृह, जालंधर से हुआ है। इस पुस्तक में देश से लगभग 50/60 लेख सम्मिलित हुए हैं। इसमें मेरा भी लेख शामिल किया गया है। इसके लिए संपादक को हार्दिक आभार ज्ञापित करता हूं। इस अवसर पर डॉ जवाहर धीर, डॉ तरसेम गुजराल, डॉ यश

चोपड़ा, रविन्द्र सिंह चोट, डॉ अजय शर्मा वरिष्ठ पत्रकार, संरक्षक टीडी चावला,राजेश अध्याय, मैं दिलीप कुमार पाण्डेय,हरचरन भारती आदि सभी ने रक्तबीज आदमी है का कखग पर विधिवत रूप से चर्चा की और अपनी रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

## धरा चेतना फाउंडेशन के सभागार में कवि सम्मेलन स्वरागिनी का आयोजन हुआ



8 अगस्त 2026 को धरा चेतना फाउंडेशन के सभागार में कवि सम्मेलन "स्वरागिनी" का आयोजन हुआ।

जिसमें उद्घाटन सत्र के संचालन कर्म का निर्वहन मेरे द्वारा हुआ।

मुख्य अतिथि बड़े भैया सर्वप्रिय विधायक आदरणीय पुरुषोत्तम खंडेलवाल जी रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्री सतीश चौहान जी ( नगर पंचायत स्वामी बाग चेरमैन ), डॉक्टर रोहित दीक्षित जी, अशोक जी, भरत शर्मा पार्षद जी , डॉ रजनीश त्यागी जी रहे।

कवियों में डॉक्टर शेष गौतम जी (प्रयागराज), आदरणीय रमेश मुस्कान जी (आगरा),आदरणीय डॉ अनुज त्यागी जी ( मेरठ ), आदरणीय विनोद पांडे जी (नई दिल्ली)और आगरा के ही सर्वप्रिय बेटे ओज कवि आदरणीय ईशान देव जी रहे।

3 घंटे चले कवि सम्मेलन को इन कवियों के काव्य पाठ ने शीर्ष पर पहुंचाया। कवि सम्मेलन के संयोजन व संचालन कर्म का दायित्व आदरणीय कवि ईशान देव ने संभाला। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन धरा चेतना फाउंडेशन की संस्थापिका श्रीमती दीपाली सिंह जी , सचिव अक्षय प्रताप सिंह जी, कार्य योजना प्रमुख गति सिंह जी के सुदृढ़ निर्देशन में हुआ।

## नई दिल्ली: मंत्री प्रो. बघेल ने किया देशभक्ति गीत और बर्लिन की युवा लेखिका की पुस्तक का लोकार्पण



5 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में LIPI EuroPI द्वारा आयोजित India Beyond Borders' कार्यक्रम

में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल की गरिमामयी उपस्थिति में डॉ. योजना शाह जैन के देशभक्ति गीत 'मन जन गण मन गाएगा' और

बर्लिन की 14 वर्षीय समृद्धि जैन की पुस्तक 'The Colors Behind the Rainbow' का भव्य लोकार्पण हुआ।

## कर्णधार

अहम्य देश की राजनीति की सैर करा दूँ उस देश की राजनेताओं से परिचय कराऊँ जिसको राष्ट्र की विकास से ना है सरोकार राजसिंहासन पे बैठने की है एकमात्र विचार जनता की मूल भूत जरूरत को ना समझे अनाड़ी जिसे जनाधार की समझ नहीं है वो कैसा खिलाड़ी सत्तासुख के लिये जो संसद में नित्य करता बवाल राष्ट्रहित की नहीं है जिनको कोई भी कभी ख्याल ईमानदार राजा का भी बन जाता जो सदैव ही बैरी



कुरसी से हटाने की नीचता की हेराफेरी वोट बैंक के खातिर करता है ज? नित्य नई चमत्कार कैसे कैसे राजनेता उपजा लिया है मतदाता मेरे यार शिक्षा चिकित्सा का जो करता हो

देश में अनारद कृषक व छात्र को बना लिया है राजनीति में बिरादर जनता की टैक्स का हो रहा करोड़ों का बंटोधार जनता की परेशानी का अब कौन करेगा उपचार राजकोष की लग रही है करोड़ों की आज चुना बेवकूफ है वो मतदाता जिसने ऐसे नेता को चुना ऐसे राजनीति करने वाले को है देश करता धिक्कार जो राष्ट्रहित से करता है औछी राजनीति वो है गदार उदय किशोर साह मो० पो० जयपुर जिला बांका बिहार

**साहित्य 24**  
— DIGITAL DAILY NEWS PAPER —

विश्वसनीय खबरें, साहित्यिक विचार, आपकी आवाज

**अपने व्यवसाय का विज्ञापन दें हजारों पाठकों तक पहुंचें!**

**सिर्फ ₹ 999/-** केवल एक माह के लिए

कम लागत, ज्यादा लाभ – अपने ब्रांड को दें नई पहचान

**विज्ञापन के लाभ**

- हजारों पाठकों तक ब्रांड की पहुँच
- व्यवसाय की विश्वसनीयता में वृद्धि
- स्थानीय से राष्ट्रीय स्तर तक पहचान
- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 24x7 एक्सपोज़र
- साहित्य प्रेमी व जागरूक पाठकों का प्रभावशाली नेटवर्क

**अपनी रचनाएँ प्रकाशित करवाएँ - निशुल्क!**

कविताएँ कहानियाँ आलेख संस्मरण मुक्तक लघुकथा

अपनी रचनाएँ हमें भेजें और पाएं व्यापक पाठकवर्ग, सम्मान और पहचान

**आज ही विज्ञापन बुक करें!**

**CALL FOR MORE INFO**

**9315701112**

**www.sahitya24.com**

साहित्य समाचार संवाद संस्कृति सुजन

साहित्य 24 – साहित्य की जुबान, हर दिल की पहचान

**साहित्य 24**  
DIGITAL DAILY NEWSPAPER

साहित्य, संस्कृति और सरोकारों की सशक्त आवाज

A STRONG VOICE OF LITERATURE, CULTURE & CONCERNS

शब्दों से समाज तक...

**साहित्य 24**  
DIGITAL DAILY NEWSPAPER

अपनी किताब का रिव्यू, जीवन कहानी और इंटरव्यू हमारे डिजिटल न्यूज़पेपर में प्रकाशित करवाएं!

PUBLISH YOUR BOOK REVIEW, LIFE STORY & INTERVIEW in Sahitya 24 Digital Daily Newspaper!

**आप क्या प्रकाशित करवा सकते हैं?**

- किताब समीक्षा (Book Review) अपनी किताब को दें नई पहचान
- जीवन कहानी / जीवनी अपने जीवन की प्रेरक यात्रा साझा करें
- विशेष इंटरव्यू लेखक, कवि, कलाकार, समाजसेवी, विचारक व विशिष्ट व्यक्तियों के इंटरव्यू
- साहित्यिक लेख कविता, कहानी, लेख, संस्मरण, विचार
- कार्यक्रम / पुस्तक विमोचन अपने कार्यक्रम की कवरज पाएं

**आपकी कहानी...**

हमारा मंच...

YOUR STORY OUR PLATFORM

व्यापक पहुंच विश्वसनीय मंच WIDE REACH TRUSTED PLATFORM

**WHAT CAN YOU PUBLISH?**

- BOOK REVIEW Give new recognition to your book
- LIFE STORY / BIOGRAPHY Share your inspiring journey with readers
- EXCLUSIVE INTERVIEW Authors, Poets, Artists, Social Workers, Thinkers & Inspiring Personalities
- LITERARY ARTICLES Poems, Stories, Articles, Memoirs, Thoughts
- EVENTS / BOOK LAUNCH Get coverage of your events and programs

हजारों पाठकों तक पहुंच REACH THOUSANDS OF READERS

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की व्यापक पहुंच WIDE ONLINE VISIBILITY

प्रामाणिक और विश्वसनीय मंच AUTHENTIC & TRUSTED PLATFORM

आपकी पहचान, हमारी जिम्मेदारी YOUR IDENTITY, OUR RESPONSIBILITY

**अभी संपर्क करें! CONTACT TODAY!**

**9315701112**

saahitya24@gmail.com

www.sahitya24.com

— SCAN ME —

आइए, शब्दों की ताकत से एक बेहतर समाज का निर्माण करें। Let's build a better society through the power of words.



## साहित्य 24 द्वारा प्रकाशित पुस्तक

सघन संवेदनाओं की  
शब्दकार : अलका सिन्हासंपादक :  
अर्चना त्रिपाठी, विशाल पाण्डेयकिशोर दा की स्मृति में  
सम्मान समारोह

मेरी आवाज, मेरी पहचानद्वारा आयोजित किशोर दा के विशेष कार्यक्रम में संस्था से जुड़े सभी कलाकारों को किशोर कुमार दा की याद में मेमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल एक मेमेंटो या सर्टिफिकेट नहीं, बल्कि संगीत के प्रति समर्पण, कला के प्रति सम्मान और किशोर दा की महान विरासत को आगे बढ़ाने का एक छोटा-सा

प्रयास है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग, समय और प्रतिभा देने वाले सभी कलाकारों एवं पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद। किशोर दा अमर रहें, उनका संगीत सदैव हमारे दिलों में गूँजता रहे।  
— मेरी आवाज, मेरी पहचान की पूरी टीम



वरिष्ठ साहित्यकार भैया जय गुप्त जी की पुस्तक धर्म क्षेत्र, कुरुक्षेत्र का विमोचन संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में कुलपति महोदय एवं महापौर मंजुषा भगत दीदी के कर कमलों से संपन्न हुआ।

ओके मॉडल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस  
की धूम, गूँजा देशभक्ति का रंग

## सीमा रंगा इन्द्रा

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सुर साहित्य परिषद् एवं हिन्दी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान तथा ओ. के. मॉडल स्कूल के सहयोग से ओ. के. मॉडल स्कूल के प्रांगण में भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साहित्य, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना से ओत-प्रोत इस आयोजन में देशभक्ति की कविताओं, गीतों एवं ओजपूर्ण रचनाओं ने उपस्थित श्रोताओं में राष्ट्र-चेतना का संचार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता ओ. के. मॉडल स्कूल के चेयरमैन योगी ओम कुमार पुण्डरी ने की, जबकि हिन्दी साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ जैन सुमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अशोक भारद्वाज, ओम प्रकाश प्रजापति एवं डॉ. जय सिंह आर्य ने अपनी गरिमायुगी उपस्थिति दर्ज कराई। सेंट भारती पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सर्वेश्वर दत्त एवं कमलेश प्रजापति जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम के आयोजक डॉ. रवि कुमार ने अतिथियों एवं साहित्यकारों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। ओ. के. मॉडल स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. निर्मल ने स्वागतकर्ता की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन सुर साहित्य परिषद् के संस्थापक डॉ. संजय जैन ने प्रभावी एवं सघे हुए अंदाज में किया। डॉ. उर्वी ऊदल ने संयोजन की जिम्मेदारी निभाई, जबकि नयन नीरज नायाब ने अपने प्रभावशाली निवेदन से कार्यक्रम को गति प्रदान की।

**कर्नल प्रवीण त्रिपाठी को शौर्य सम्मान**  
समारोह का विशेष आकर्षण



भारतीय सेना के गौरव कर्नल प्रवीण त्रिपाठी को प्रदान किया गया शौर्य सम्मान रहा। राष्ट्रसेवा एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए सुर साहित्य परिषद् द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मान के अवसर पर उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। कर्नल प्रवीण त्रिपाठी को दिया गया यह सम्मान राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, समर्पण और शौर्य की भावना का प्रतीक बना।

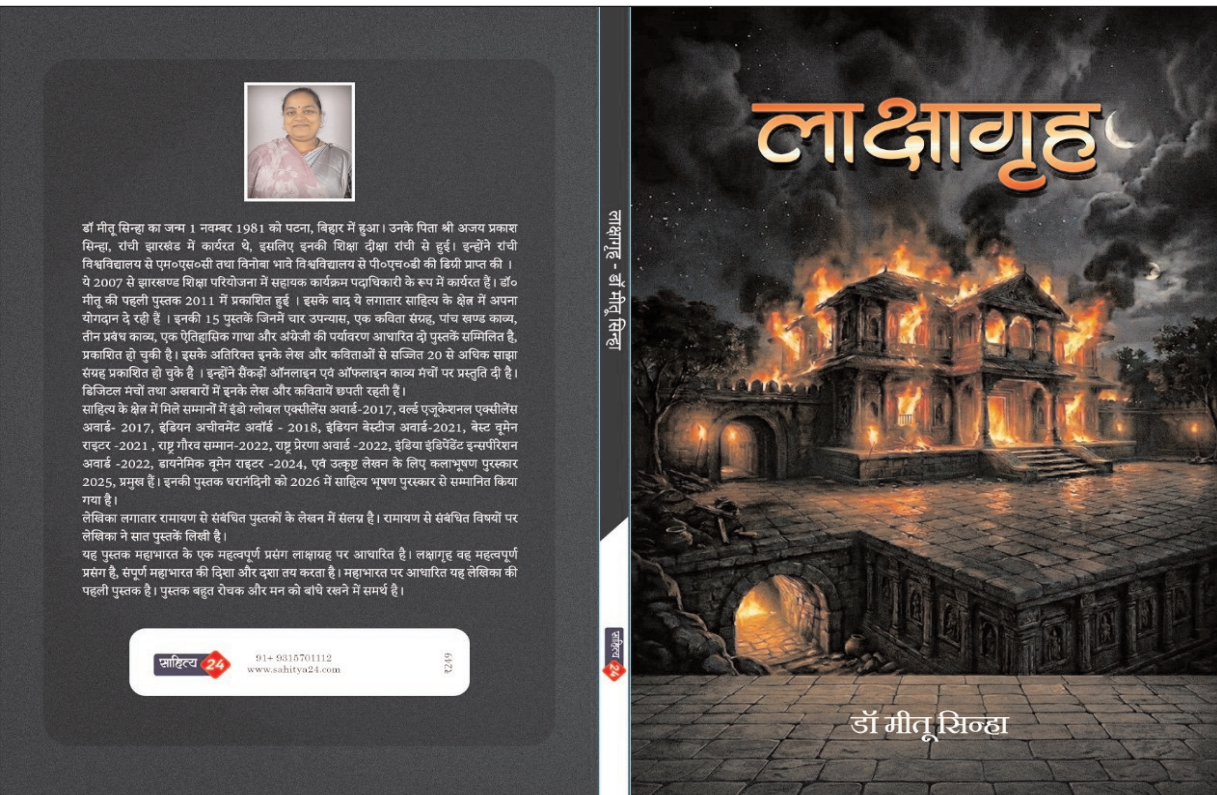
**देशभक्ति की रचनाओं से गूँजा सभागार**  
कवि सम्मेलन में अदिति अस्थाना, ईशा भारद्वाज, आरती वर्मा, योगेश कृष्णा, विभा राज वैभव, सुनील शर्मा, अंकुर मिश्रा, शीतल, रानी, ललित मोहन जोशी, रजनीश उपाध्याय एवं ऋतु चौरसिया सहित अनेक कवि-कवयित्रियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कवियों ने ओजपूर्ण, गीतात्मक एवं समकालीन रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से देशभक्ति से ओत-प्रोत रचनाओं पर सभागार तालियों से गूँज उठा और भारत माता के जयघोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति से

सराबोर हो गया। कार्यक्रम में सुर साहित्य परिषद् द्वारा श्री ओम कुमार पुण्डरी, डॉ. रवि कुमार पुण्डरी एवं डॉ. निर्मल को साहित्य के प्रति उनके अनुराग, सेवाभाव एवं समर्पण के लिए सुर साहित्य सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में ओ. के. मॉडल स्कूल की कक्षा 8वीं की होनहार छात्रा अर्चना को उसकी प्रतिभा एवं उपलब्धियों के लिए सुर साहित्य बाल प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया। इसके उपरांत ओ. के. मॉडल स्कूल की ओर से कार्यक्रम में आमंत्रित सभी अतिथियों एवं कवि-कवयित्रियों को सम्मानित किया गया।

**साहित्य समाज और राष्ट्र की चेतना का सशक्त माध्यम : सौरभ जैन सुमन**  
मुख्य अतिथि सौरभ जैन सुमन ने कहा कि साहित्य समाज और राष्ट्र की चेतना का सशक्त माध्यम है। साहित्यकार का दायित्व केवल शब्दों की रचना करना नहीं, बल्कि समाज में संवेदना, संस्कार और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत

करना भी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में योगी ओम कुमार पुण्डरी ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और संस्कृति के संवाहक भी हैं। ऐसे साहित्यिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। डॉ. संजय जैन ने कहा कि सुर साहित्य परिषद् का उद्देश्य साहित्य को जन-जन तक पहुँचाना तथा प्रतिभाशाली साहित्यकारों को सार्थक मंच प्रदान करना है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए ओ. के. मॉडल स्कूल के प्रबंधक डॉ. रवि कुमार, चेयरमैन योगी ओम कुमार पुण्डरी, प्रधानाचार्या डॉ. निर्मल, सभी अतिथियों, कवि-कवयित्रियों एवं साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया। समारोह साहित्य, राष्ट्रप्रेम, संस्कार और सामाजिक चेतना को समर्पित एक सार्थक आयोजन के रूप में संपन्न हुआ।

साहित्य 24 प्रकाशन के द्वारा आशा उमेश पांडेय जी की दो पुस्तकों का लोकार्पण सम्पन्न।



## दोहे "सावन का उपहार"

(डॉ. रूपचन्द्र शास्त्री मयंक)  
सावन आने पर धरा, करती है श्रृंगार।  
हरा-भरा परिवेश है, सावन का उपहार।  
चोटी-बिन्दी-मेंहदी, आपस में बतियाय।  
हर्ष और अनुराग में, सुहागिनें बौराय।  
तीजों के त्यौहार पर, कर सोलह सिंगार।  
आज नारियाँ हर्ष से, गार्ती मेघ-मल्हार।  
आँगन में झूले पड़े, झूल रही हैं नार।  
घेवर-फेनी से सजा, हलवाई बाजार।  
नागपञ्चमी पर लगी, देवालय में भीड़।  
कानन में सब खोजते, नागदेव के निड।

सोमवार के दिन सभी, मन्दिर जाते लोग।  
शिव-शंकर को प्यार से, लगा रहे हैं भोग।  
कौंवड़ लेकर आ रहे, श्रद्धा से अनुरक्त।  
हर-हर, बम-बम घोष को, करते सारे भक्त।  
गंगा जी के घाट पर, लम्बी लगी कतार।  
लोग नहाने जा रहे, हर-हर के हरद्वार।  
आता सावन मास में, रक्षाबन्धन पर्व।  
जब करती बहनें तिलक, भाई करता गर्व।  
बहनें करती कामना, भाई हो खुशहाल।  
भाई की लम्बी उमर, माँग रही हर साल।



डिजिटल साहित्य २४ पत्रिका-डिजिटल संस्करण-मीडिया पंचायत न्यूज पोर्टल दिल्ली कार्यालय २४ आदर्श गली, पालमगाँव नई दिल्ली, प्रथम तल ९९००४६  
नोट- उपर्युक्त ई पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनन अपराध है।